

ग्रसाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II--Section 3--Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिल्ली, शनिवार, फरवरी 19, 1972/माघ 30, 1893

No. 103)

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 19, 1972/ MAGHA 30, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह श्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February 1972

S.O. 145(E)/IDRA/29B/72—Whereas the Central Government is of the opinion that having regard to the stage of development of the scheduled industries specified in the Schedule to this Notification, it would not be in the public interest to apply the provisions of clause (d) of sub-section (1) of section 13 of the Industries (Development and Regulation) Act 1951 (65 of 1951), to the said scheduled industries;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, No SO, 4(E)/IDRA/29B/71/1 dated the 3rd January, 1972, the Central Government hereby exempts from the operation of clause (d) of sub-section (1) of section 13 of the said Act and the rules made thereunder, all industrial undertakings registered under the said Act on in respect of which any licence or permission has been issued under that Act, and pertaining to the scheduled industries specified in the Schedule to this Notification, to the following extent, namely:—

(a) in respect of industrial undertakings which have been licensed or registered under the Act specifically on the basis of single or double shift working, to the extent of production obtainable by maximum utilisation of their licensed or registered capacity; (b) in respect of other industrial undertakings which had commenced production on or before the first day of January, 1972, to the extent of an additional one hundred per cent of the existing licensed or registered capacity, as the case may be:

Provided that no such industrial undertaking shall be eligible for exemption,-

- (i) if it belongs to or is controlled by any of the Larger Industrial Houses, as specified in the list at Appendix II-A(1) of the report of the Industrial Licensing Policy Inquiry Committee, as amended by the Central Government from time to time or
- (ii) if it is a foreign company or a branch or subsidiary of a foreign company or
- (iii) if the industrial undertaking is engaged in industries reserved for the small scale sector as listed in Schedule II to the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development), No. S.O. 713/IDRA/29B/70/1, dated the 19th February, 1970, as amended from time to time or
- (iv) if it requires additional machinery (except minor balancing equipment procured indigenously) whether indigenous or imported; or
- (v) if the industrial undertaking is engaged in an industry other than one of the industries listed in the Schedule to this Notification.
- 2. This notification is in addition to, and not in derogation of anything contained in the following notifications of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development), namely:—
  - (i) No. S. O. 713/IDRA/29B/70/1 dated the 19th February, 1970, as amended from time to time, in so far as the said notification relates to substantial expansion of industrial undertakings, and
  - (ii) No. S. O. 912/IDRA/29B/70/3 dated the 28th February, 1970, as amended from time to time.

#### SCHEDULE

- 1. Motor Cycles.
- 2. Bicycles.
- 3. Mopeds.
- 4. Agricultural Tractors.
- Agriculture Machinery & Implements.
- Pumps and compressors.
- 7. Fertilizers.
- 8. Pesticides.
- 9. Basic Metals-Iron & Steel, Copper, Aluminium, Zinc and Lead.
- Industrial & Mining Machinery.
- 11. Iron & Steel Castings, Forgings, Pipes & Structures.
- 12. Internal Combustion Engines.
- Machine tools and Accessories.
- 14. Workshop machinery & equipment other than Machine Tools.
- 15. Small tools including cutting tools, Power Tools, and other workshop
- 16. Coated and bonded abrasives and polishing wheels.
- 17. Industrial Furnaces.

Welding electrodes.

Sec. 3(ii)]

\_\_\_\_

- 19. Ball and roller bearings.
- Transformers, Switchgears, Motors, Generators, Power Capacitors, Recti-fiers, Relays and Electric Stampings.
- 21. Electrical Cables & Wires.
- 22. Storage Batteries, Dry Batteries.
- 23. Electronic Components.
- 24. Construction & Earth Moving Equipment.
- 25. Cranes & Hoist Blocks.
- 26. Industrial Fastners.
- 27. Wire Ropes.
- 28. Scientific & Industrial Instruments
- 29. Cement.
- 30. Organic & Inorganic Heavy Chemicals.
- 31. Fine Chemicals
- 32. Pulp, Paper and Newsprint
- 33. Synthetic rubber.
- 34. Tyres and Tubes.
- 35. Industrial Explosives.
- 36. Industrial Gases.
- 37. Drugs.
- 38 Medical & Surgical Equipment and Appliances.
- 39. Electro-medical & X-ray equipment.
- 40. Refractories, Fire Bricks and Insulators.
- 41. Commercial Vehicles including Jeeps & Three Wheelers.
- 42. Automobile Ancillaries.
- 43. Trawlers, Dredgers and Fishing Boats.
- 44. Optical and Laboratory Glass and Glass Wool.
- 45. Jute Textiles.
- 46. Canned and Preserved Fish.
- 47. Sanitary Cans.
- 48. Paints & Varnishes and Enamels.
- 49. Man-made Fibres.
- 50. Telecommunications Equipment
- Wagons.
- 52. Industrial Refrigeration Equipment
- 53. Sugar.
- 54. Cotton Textiles.

[No. 10/38/Lic. Pol./68.]

S. K. SARGAL, Jt. Secy.

### श्रीद्यीगिक विकास मंत्रालय

# ग्रधिमूचना

## नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1972

का ब्या 0.145(श्च)/ग्नाई 0.85 ब्यार 0.0(-2.94)/7.2/1.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इस श्रिक्ष्मचना की श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट श्रनुसूचिन उद्योगों के विकास ने श्रक्षम को ध्यान में रखते हुए, उद्योग (विकास और विनियमन ) श्रिधिनियम, 1951(1951 का 65) की धारा 13 की उपधारा (1) के खण्ड (श) के उपबन्धों को उस्त श्रनुसूचित उद्योगों पर लागू करना लोक हिन में नहीं होगा ;

धतः, श्रवं, उद्योग (विकास श्रौर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29 ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शिवतयों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के श्रीक्षोगिक विकास मंत्रालय के श्रोदेश सं० का० श्रा० 4(ई)/श्राई० डी० श्रार० ए०/29ख/71/1, तारीख 3 फरवरी, 1972 की श्रिधिकांत करते हुये केन्द्रीय सरकार , उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन रिज्ञेक्ट्रित गरी प्रौद्योगिक उपकर्षों का जन उनक्षों को जिनकी बावत उस श्रिधिनियम के श्रधीन कोई धनु श्रीप्त या धनु शाजारी की गई हो, श्रौर जो इस श्रिधसूचना की श्रन्सूची में विविदिष्ट धनु सूचित उद्योगों से सम्बन्धित हैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 13 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के श्रौर तद्धीन बनाये गये नियमों के प्रवर्तन से निम्नलिखित मीमा तक एनद्द्वारा छूट देती है, श्रथात् :—

- (क) उप-मौद्योगिक उपक्रमों की बाबत जिन्हें बिनिर्दिष्टतया एकल या दोहरी पारी कार्यकरण के प्राधार पर प्रधिनियम के प्रन्तर्गत प्रधीन धनुक्रप्ति या रिजस्ट्रीकृत किया गया है, उनकी भ्रन्जप्त या रिजस्ट्रीकृत क्षमता के प्रधिकतम उपयोग में प्रभिप्राय उत्पादन की सीमा तक ;
- (ख) अन्य उपक्रमों की बाउत जिन्होंने जनवरी, 1972 के प्रथम दिन को या पूर्व उत्पादन प्रारम्भ किया हो, यथास्थिति विद्यमान अनुकृष्य या रिजिस्ट्रीकृत क्षमता के अतिरिक्त एक सौ प्रतिशत तक की सीमा तक ;

परन्तु कोई ऐसा श्रौद्योगिक उपक्रम छूट के लिये पान्न नही होगा ---

- (i) यदि सरकार द्वारा समय-समय पर यथा संगोधित भौद्यीगिक श्रनुजप्त नीति जांच समिति की रिपोर्ट के परिणिष्ट ।।—क(1) की सूची में विनिर्दिष्ट किये गये किसी बड़े भौद्योगिक गह की है या उसके द्वारा नियंत्रित है; या
- (ii) यदि वह विदेशी कम्पनी है या विदेशी कम्पनी की शाखा या महायकी है, या
- (iii) यदि ग्रौद्योगिक उपक्रम उन उद्योकों में लगा हुआ है जो भारत सरकार के भूतपूर्व भौद्योगिक विकास, शान्तरिक व्यापार ग्रौर कम्पनी कार्य-मंत्रालय (भ्रौद्योगिक
  विकास विभाग) की समय-समय पर सथ संशोधन श्रीधमूचना संव काव ग्राव
  713/ श्राईव डीव्य श्रारव एव/29ख/70/1, तारीख 19 फरवरी. 1970 की
  श्रनुसूची 2 में सुचीवद रूप में लघ क्षेत्र के लिये श्रारक्षित हैं, या
- (Îv) यदि इसके स्थिय श्रांतिरिक्त यर्णानिश क्षेक्षित' है (देश में ही श्रीस्थान सम्-सम्बन्ध-उपस्कर के स्वित्ये) वो भाई देशक हो या ग्रायानित . या
- (V) यदि घोष्टोगिक उपक्रम इस प्रशिम् पना की चन् सूची में सूची कड़ उद्योगों से पित्र किसी
   उद्योगों में लगा है।

- यह अधिसूचना भारत सरकार के भूतपूर्व भौधोगिक विकास, आन्तरिक स्थापार भौर कम्पनी कार्य मलालय (श्रीधोगिक विकास विभाग) की निम्नलिखित अधिमूचनाओं में अन्तर्विष्ट किसी बात के प्रतिरिक्त है, और उनका अस्पीकरण नहीं करनी, प्रयात .---
  - (i) समय-समय पर यथा-संगोधित का० ग्रा० सं० 713/ग्राई० डी० ग्रार० ए०/29व/ 70/1, तारीख 19 फरवरी, 1970, जहां तक उक्त ग्रधिपूचना का सम्बन्ध ग्रीग्रोगिक उपक्रमों के सारभूत विस्तार से हैं, श्रीर
  - (ii) समय-ममय पर मथासशोधित का० ग्रा० सं० 912/श्राई० डी० ग्रार० ए०/
     29 व/70/3, तारीख 28 फरवरी, 1970।

# **ग्रनुसूची**

- 1. मोटर माईकिल
- 2. साईकिन
- 3 मोरद
- 4. कृषि ट्रैस्टर
- ५ कथि मशीनरीत्य ज्यक्षरण
- 6 पम्प स्रोर कम्प्रैसर
- 7 उर्वरक
- ८ पेस्टीसाइङ
- वल गान, लोह-इस्पान, ताम्या, अल्युमीनियम, जस्ता भ्रीर मीसा ।
- 10. स्रोपोगिक भ्रौरखततमगोनरी
- 11 तोह प्रीर इत्यात, इलाई, गढ़ाई, पाइप ग्रीर संरचनाएं
- 12. **अ**न्तर्भहत इतित
- 13 मगीन प्रीजार प्रीर उपसाधन
- 14 कर्नम ला स्रीर मगीन स्रीजारों में भिन्न उपस्कर
- 15 छाउँ पाज र जिनक अन्तर्गत राटा का योजार, शक्ति भीजार और अन्य कर्मणाला भीजार
- 16 तिपित प्राप्त स्वित प्रपद कि सार तसक ने वाले चक्र
- 17 ब्रीद्यांक गरिया
- 18 केल्डिंग्डनफ्ट्रोड
- (०) बाल प्रीर रोक्षर केपिरग
- हिंग का मेर, स्थिताविषर, पोटप, अवित्र, प्राक्षित आवित्र, परिकोधक, रिले प्रौर विद्युत स्टिप्पन
- 2.1 वैद्याल के बिला म्हीर लग

- 22. स्टोरेज बैटरी, मुख्क बैटरी
- 23. इलेक्ट्रानिक संघटक
- 24. समिनींप एण्ड भू-संचलन उपस्कर
- 25. भीन भीर होइस्ट ब्लाफ
- 26. भौद्योगिक कीलक
- 27. तार की रस्सियां
- 28. वैद्यानिक भीर भीछोगिक उपकरण
- 29. सीमेंट
- 30. कार्वनिक और भकार्विनिक भारी रसायन
- 31. उत्तम रसायन
- 32. पूरुप, कागज श्रीर समाचारपत्र का कागज
- 33. संक्लिक्ट रहर
- 34. टायर और ट्यूवें
- 35. **भीखो**गिक विस्फोटक
- 36. श्रीयोगिक गैसें
- 37. घौषध
- 38. चिकित्सीय भौर शस्य चिकित्सीय उपस्कर भौर साधिक
- 39. वैद्युत-चिकिस्सीय ग्रीर एक्सरे उपस्कर
- 40. उष्म सह, तापसह इंट, विसंवाहक
- 41. बाणिज्यिक गाडिया जिसके ग्रन्तर्गत जीप, थी व्हीलर भी है
- 42. झाटोमोबाइल प्रनुषंगी
- 43. ट्रॉलर, ड्रैंगर भौर मस्य नीकाएं
- 44. भाष्टीकल और प्रयोगशाला शीशा भौर शीशावृल
- 45. पटसन बस्त्र
- 46. डिक्बाबंद और परिरक्षित मत्स्य
- 47. स<del>बद्ध</del>ा डिब्बे
- 48। रंग भीर प्रोगम तथा इमामेल
- 49. अनुस्य-निमित रेशा
- **50. कूर-बोब्बार स्थापनर**

- 51. वैगन
- 6.2. भीयोगिक प्रशीतन उपस्कर
- 53. सर्करा
- 54. सूती वस्त्र

[सं॰ फा॰ 10(38)/सिन्तः पोष्तः (48.] एस॰ के॰ सहगल, संयुक्त संवित ।